नैदानिक मनोविज्ञान या **क्लिनिकल साइकोलॉजी (Clinical Psychology)** मनोविज्ञान की वह सबसे बड़ी और प्रमुख शाखा है जो मानसिक, भावनात्मक और व्यवहार संबंधी विकारों (Disorders) को समझने, उनका निदान (Diagnosis) करने और उपचार करने पर केंद्रित है।

आसान शब्दों में, यह वह क्षेत्र है जहाँ एक मनोवैज्ञानिक विज्ञान और सिद्धांतों का उपयोग करके उन लोगों की मदद करता है जो मानसिक कष्ट या बीमारी का सामना कर रहे हैं।

---

1. क्लिनिकल साइकोलॉजी के मुख्य कार्य (Core Functions)

एक क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट मुख्य रूप से चार चरणों में काम करता है:

- **आकलन (Assessment):** व्यक्ति की समस्या को समझने के लिए मनोवैज्ञानिक परीक्षण (Psychological Tests), साक्षात्कार (Interviews) और अवलोकन (Observation) करना।
- **निदान (Diagnosis):** लक्षणों के आधार पर यह पहचानना कि व्यक्ति को कौन सी समस्या है (जैसे: डिप्रेशन, एंग्जायटी, या सिज़ोफ्रेनिया)। इसके लिए अक्सर **DSM-5** या **ICD-11** मैन्युअल का उपयोग किया जाता है।
- **उपचार (Treatment/Therapy):** बातचीत और विभिन्न मनोवैज्ञानिक तकनीकों (जैसे CBT) के माध्यम से रोगी की मदद करना।
- **रोकथाम और अनुसंधान (Prevention & Research):** मानसिक बीमारियों को रोकने के तरीके खोजना और नए उपचारों पर शोध करना।

---

2. प्रमुख उपचार पद्धतियाँ (Therapeutic Approaches)

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट रोगी के इलाज के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण अपनाते हैं:

1. **संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (CBT):** यह सबसे लोकप्रिय है। इसमें व्यक्ति के नकारात्मक सोचने के तरीके और गलत व्यवहार को बदलने पर काम किया जाता है।
2. **मनोगतिक चिकित्सा (Psychodynamic Therapy):** इसमें अचेतन मन (Unconscious mind) और बचपन के अनुभवों का विश्लेषण किया जाता है (सिगमंड फ्रायड द्वारा शुरू)।

3. **मानवतावादी चिकित्सा (Humanistic Therapy):** इसमें व्यक्ति की वर्तमान भावनाओं और उसकी क्षमता (Self-growth) पर ध्यान दिया जाता है।
4. **पारिवारिक और समूह चिकित्सा (Family & Group Therapy):** जहाँ पूरे परिवार या समान समस्या वाले लोगों के समूह के साथ काम किया जाता है।

---

3. क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट बनाम मनोचिकित्सक (Psychiatrist)

अक्सर लोग इन दोनों के बीच भ्रमित हो जाते हैं। यहाँ मुख्य अंतर है:

विशेषता	क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट	मनोचिकित्सक (Psychiatrist)
शिक्षा	मनोविज्ञान में PhD या M.Phil (Psy.D)	मेडिकल डॉक्टर (MBBS + MD)
उपचार का तरीका	थेरेपी, काउंसलिंग और टेस्ट	दवाइयां (Medications) और थेरेपी
दृष्टिकोण	मनोवैज्ञानिक और सामाजिक	जैविक और रासायनिक (Biological)

---

4. क्लिनिकल मनोविज्ञान का महत्व (Importance)

- **जटिल विकारों का समाधान:** यह गंभीर बीमारियों जैसे सिज़ोफ्रेनिया, बाइपोलर डिसऑर्डर और पर्सनैलिटी डिसऑर्डर के प्रबंधन में मदद करता है।
- **जीवन की गुणवत्ता:** यह तनाव, वैवाहिक समस्याओं और काम के दबाव से जूझ रहे लोगों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करता है।
- **कलंक को कम करना:** यह समाज में मानसिक बीमारी से जुड़ी गलत धारणाओं को दूर करने में भूमिका निभाता है।

---

5. कार्यस्थल (Settings)

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट निम्नलिखित स्थानों पर कार्य करते हैं:

- अस्पताल और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र।
- निजी क्लीनिक (Private Practice)।
- विश्वविद्यालय और शोध संस्थान।
- पुनर्वास केंद्र (Rehabilitation Centers)।

एक क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट दवाइयां नहीं लिखता (भारत और अधिकांश देशों में), वह केवल थेरेपी और परामर्श के माध्यम से इलाज करता है।